

पीवसीन अधिकारी :- श्री मांगीलाल (आर.ए.एच)

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या :- 07/2024

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
कमलकिशोर विदनाई पुत्र		तहसीलदार लोहावट
सत्यनारायण विदनाई जाति विदनाई		
जाति विदनाई		
निवासी लोहावट विदनाबास तहसील		
लोहावट जिला-फरीदी		

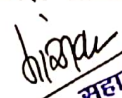
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धार 111, 128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956

उपस्थित :- प्रार्थी की ओर से :- अधिवक्ता श्री सुमेरुसिंह चौहान  
अप्रार्थी की ओर से :- श्री पैरोकार सरकार

--: निर्णय :-

दिनांक 24.06.2024

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी के खातेदारी अधिकारी व कब्जा काइत की कृषि भूमि तहसील लोहावट पटवार हल्का लोहावट विदनाबास के राजस्व ग्राम लोहावट विदनाबास की सरहद में खेत खसरा नम्बर 2621/163 रकबा 0.1619 हेक्टेयर किस्म बरानी 3 भूमि आई हुई है। प्रार्थी के ऊर खसरा नम्बर 2621/163 की भूमि के पड़ोसी प्रार्थी के परिवार के सदस्य ही है जिनसे आपस में कोई विवाद नहीं है एवं एक तरफ पड़ोस में सड़क है प्रार्थी अपनी भूमि का समपरिवर्तन करवाना चाहता है जिसे पूर्व वह अपनी ऊर भूमि की सीमाओं को पुनरा करने के लिये पत्थरगढी करवाना चाहता है। प्रार्थी ने अपनी खातेदारी व कब्जा काइत की प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या 1 में वर्णित काइत भूमि की पैमाईश के लिए तहसीलदार साहब लोहावट के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर नियमानुसार फीस जमा करवायी जिस पर ऊर भूमि की पैमाईश करने के लिए आदेश क्रमांक 113 पृष्ठ संख्या 14 दिनांक 05.12.2022 की पालना में दिनांक 21.03.2024 को हल्का पटवारी लोहावट विदनाबास ने ऊर काइत भूमि की पैमाईश कर मौका फर्द रुबरु मौतबिरान तैयार की प्रार्थी ने दिनांक 26.03.2024 को तहसीलदार लोहावट से मिलकर पैमाईश फर्द दिनांक 21.03.2024 के अनुसार प्रार्थी के खातेदारी अधिकारी की काइत भूमि की पत्थरगढी करने का निवेदन किया तो उनके द्वारा न्यायालय हाजा से विधिक आदेश से ही पत्थरगढी किया जाना संभव बताया इसलिये यह प्रार्थना पत्र न्यायालय हाजा के समक्ष प्रार्थी की ओर से पेश

  
सहायक कलक्टर  
लोहावट (जोधपुर)

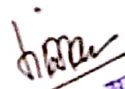
है। प्रार्थी अपनी खातेदारी अधिकारों की काश्त भूमि की पत्थरगढी हेतु राजकीय बुल्क अदा करने हेतु तत्पर है और वक्त पत्थरगढी कार्य हेतु मौके पर नजदुर एवं पत्थर की पट्टीया, चुना भिमेन्ट इत्यादी भी उपलब्ध करवाने हेतु तत्पर है।

अंत में निवेदन किया कि प्रार्थी खातेदारी अधिकारों व कब्जा काश्त की भूमि तहसील लोहावट पटवार हल्का लोहावट विदनाबास के राज्य ग्राम लोहावट बिदनाबास की सरहद में खेत खसरा नम्बर 2621/163 रकबा 0.1619 हेक्टेयर भूमि की पैमाईश फर्द दिनांक 21.03.2024 के अनुसार पत्थरगढी करवाने का आदेश फरमावे एवं मौके पर ज्ञानि व्यवस्था के लिए भार अधिक अधिकारों पुलिस थाना लोहावट को मौके पर उपस्थित रहने के लिए पावन्द करवें अन्य कोई आदेश इस प्रार्थना पत्र की प्रकृति से प्रार्थी के हितकर जारी फरमावे।

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्ट्रर कर अप्रार्थी को नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थी तहसीलदार लोहावट का नोटिस तानिल बुद्ध प्राप्त हुआ जो ज्ञानि निश्चल किया गया। अप्रार्थी की ओर से प्रार्थनापत्र का जवाब पेश किया गया जिसमें बताया गया कि प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या 1 में वर्णित खसरा नम्बर 2621/163 का प्रार्थी जनाबन्दी में अनुसार खातेदार है। खसपरिवर्तन से पूर्व भूमि की पत्थरगढी किया जाना उचित है। प्रार्थना पत्र में वर्णित दिनांक को पट्टारी हल्का द्वारा खसरा नम्बर 2621/163 की भूमि की पैमाईश किया जाना उचित वर्णित किया गया है। प्रार्थी की भूमि के पास से अड़क गुजरने के कारण खसपरिवर्तन से पूर्व पत्थरगढी किया जाना न्यायोचित है। अतः जवाब प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि प्रार्थी की काश्त भूमि की पत्थरगढी श्रीमान न्यायालय हज्ज के आदेश से संभव होने से पत्थरगढी से पूर्व पट्टीसियान को सुचित करते हुये पत्थरगढी करने का उचित निर्णय फरमावे।

प्रकरण में प्रार्थी की खातेदारी अधिकारों की ख.नं. 2621/163 ग्राम लोहावट विदनाबास की भूमि के कमरा: ख.नं. 163/10 के पट्टीसी खातेदार तेजपाल पुत्र सत्यनारायण, ख.नं. 163/3044 व ख.नं. 163 के खातेदार सत्यनारायण पुत्र जगमालाराम सभी जाति विदनाबास निवासी लोहावट विदनाबास ने प्रार्थी के ख.नं. 2621/163 की काश्त भूमि की पत्थरगढी करने में सहमति प्रदान की है।

पत्रावली में उभयपक्ष की बहस सुनी गई। प्रार्थी अधिवक्ता ने बहस में बताया की प्रार्थी प्रकरण में वर्णित काश्त भूमि का खातेदार है जिसने नियमानुसार भूमि पैमाईश करवाई है। जिसकी प्रमाणित फर्द भी पेश कि है। प्रार्थी

  
सहायक कलेक्टर  
लोहावट (जोधपुर)

अपनी ख़ातेदारी की भूमि का संपरिवर्तन करवाना चाहता है। जिससे पूर्व वह अपनी उक्त भूमि की पत्थरगढी करवाना चाहता है। जिसमें सभी पत्रैसी ख़ातेदारों ने सहमति प्रदान कर दी है। इसलिए हमारा प्रार्थना पत्र स्वीकार फरमाया जावे।

पैरोकार सरकार ने बहस में बताया कि पत्थरगढी करने से पूर्व पत्रैसियान को सूचित करते हुए पत्थरगढी करने का उचित आदेश फरमावे।

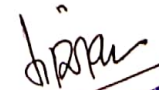
हमने पत्रावली पर उपलब्ध तथ्यों एवं दस्तावेजी साक्ष्यों का ध्यानपूर्वक अवलोकन एवं मनन किया गया। ग्राम लोहावट विद्वानावास के ख.नं. 2621/163 रकबा 0.1619 हेक्टेयर किस्म बी-3 की प्रमाणित जमाबंदी संवत् 2074-2077 में प्रार्थी ख़ातेदार दर्ज है। उक्त भूमि की पैमाईश फर्द दिनांक 21.03.2024 की प्रमाणित प्रति भी पत्रावली पर उपलब्ध है। उक्त दस्तावेजात से प्रार्थी अपनी उक्त भूमि की पत्थरगढी करवाने का अधिकारी पाया जाता है। इस प्रकार के आदेश से अभिलेख में किसी प्रकार की हेराफेरी होने का कोई अन्देशा नहीं है और न ही किसी प्रकार के अधिकार निर्धारित किये जाने हैं। इसलिए प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र न्यायहित में स्वीकर योग्य है।

### आदेश

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार लोहावट को आदेश दिये जाते हैं कि ग्राम लोहावट विद्वानावास तहसील लोहावट के ख.नं. 2621/163 रकबा 0.1619 हेक्टेयर भूमि की पैमाईश फर्द दिनांक 21.03.2024 के मुताबिक पत्थरगढी की जावे। मौके पर आवश्यक होने पर शान्ति व्यवस्था के लिए पुलिस थाना लोहावट से इमदाद ली जाकर पत्थरगढी करवायी जावे। पत्रावली फैसल शूमार होकर नंबर से कम हो।

निर्णय सरे इजलास आज दिनांक 24.06.2024 को सुनाया गया।



  
मांगीलाल (ओ.एस.)  
सहायक कलेक्टर  
(जोधपुर)  
उपखण्ड अधिकारी लोहावट